16वाँ पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन

प्रिलिम्स के लिये:

पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन, इंडो-पैसिफिक, आसियान, क्वाड, बहुपक्षवाद, साइबर सुरक्षा

मेन्स के लिये:

16वाँ पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन की प्रमुख विशेषताएँ एवं इंडो-पैसिफिक क्षेत्र का महत्त्व

चर्चा में क्यों?

हाल ही में प्रधानमंत्री ने 16वें पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन **(EAS)** में भाग लिया।

16वें EAS में इंडो-पैसिफिक, दक्षिण चीन सागर, संयुक्त राष्ट्र समुद्री कानून संधि **(UNCLOS)**, **आतंकवाद** और **कोरियाई प्रायद्वीप** तथा **म्याँमार** की स्थिति सहित महत्त्वपूर्ण क्षेत्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय मुद्दों पर भी चर्चा की गई।

प्रमुख बिंदु

- **इंडो-पैसिफिक:**
  - भारत के एक स्वतंत्र, खुले और समावेशी इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में **आसियान केंद्रीयता के सिद्धांत** पर फिर से ध्यान केंद्रित करने की पुष्टि की गई।
  - इसमें इंडो-पैसिफिक (AOIP) और भारत के इंडो-पैसिफिक ओशन इनिशिएटिव (IPOI) पर आसियान आउटलुक के बीच मौजूदा तालमेल की स्थिति पर प्रकाश डाला गया।
- **लचीली वैश्विक मूल्य शृंखला:**
  - एक **लचीली वैश्विक मूल्य शृंखला के महत्त्व पर बल** दिया गया और **इंडो-पैसिफिक देशों को क्वाड-प्रायोजित वैक्सीन** उपलब्ध कराने के लिये भारत की प्रतिबद्धता को दोहराया।
  - वर्ष 2022 के अंत तक वैश्विक आपूर्ति को बढ़ावा देने के लिये **क्वाड देशों (भारत, जापान, ऑस्ट्रेलिया और अमेरिका)** की साझेदारी में भारत में वैक्सीन की कम-से-कम 1 अरब खुराक के उत्पादन में मदद करने की प्रतिबद्धता व्यक्त की गई है।
  - **आसियान कोविड-19 रिकवरी फंड के लिये भारत के 1 मिलियन अमेरिकी डॉलर के समर्थन** का आभार व्यक्त किया।
- **बहुपक्षवाद:**
  - भारत **बहुपक्षवाद**, नियम-आधारित अंतर्राष्ट्रीय व्यवस्था, अंतर्राष्ट्रीय कानून और सभी देशों की संप्रभुता एवं क्षेत्रीय अखंडता के साझा मूल्यों के प्रति सम्मान को मज़बूत करने के लिये प्रतिबद्ध है।
- **साइबर सुरक्षा:**
  - साइबर सुरक्षा पर **वैश्विक मानकों को विकसित करने के लिये विचार-विमर्श** भी किया गया।
- **अन्य:**
  - EAS राजनेताओं ने **मानसिक स्वास्थ्य**, पर्यटन के माध्यम से आर्थिक सुधार और स्थायी सुधार पर तीन वक्तव्यों को अपनाया, जिन्हें भारत द्वारा सह-प्रायोजित किया गया है।

पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन

- **परिचय:**
    - **वर्ष 2005 में स्थापित** यह **इंडो-पैसिफिक क्षेत्र** के समक्ष उत्पन्न होने वाली प्रमुख राजनीतिक, सुरक्षा और आर्थिक चुनौतियों पर रणनीतिक बातचीत एवं सहयोग हेतु **18 क्षेत्रीय नेताओं (देशों)** का एक मंच है।
    - **वर्ष 1991 में पहली बार पूर्वी एशिया समूह की अवधारणा** को तत्कालीन मलेशियाई प्रधानमंत्री, महाथिर बिन मोहम्मद (Mahathir bin Mohamad) द्वारा प्रस्तुत किया गया था।
    - EAS के ढाँचे में क्षेत्रीय सहयोग के छह प्राथमिकता वाले क्षेत्र शामिल हैं। जो इस प्रकार हैं- पर्यावरण और ऊर्जा, शिक्षा, वित्त, वैश्विक स्वास्थ्य मुद्दे और महामारी रोग, प्राकृतिक आपदा प्रबंधन तथा आसियान कनेक्टिविटी।
- **सदस्यता:**
    - इसमें आसियान **(दक्षिण-पूर्व एशियाई राष्ट्र संघ) के दस सदस्य देशों** - ब्रुनेई, कंबोडिया, इंडोनेशिया, लाओस, मलेशिया, म्याँमार, फिलीपींस, सिंगापुर, थाईलैंड और वियतनाम के साथ 8 अन्य देश- ऑस्ट्रेलिया, चीन, जापान, भारत, न्यूज़ीलैंड, कोरिया गणराज्य, रूस एवं संयुक्त राज्य अमेरिका शामिल हैं।
    - यह आसियान देशों पर केंद्रित एक मंच है, इसलिये इसकी अध्यक्षता **केवल आसियान सदस्य** ही कर सकता है।
        - **वर्ष 2021 के लिये इसकी अध्यक्षता ब्रुनेई दारुस्सलाम** (Brunei Darussalam) के पास है।
- **पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन और प्रक्रियाएँ:**
    - पूर्वी एशिया शिखर (EAS) सम्मेलन की **वार्षिक सूची नेताओं के शिखर सम्मेलन** के साथ समाप्त होती है, जिसका आयोजन आमतौर पर प्रत्येक वर्ष की चौथी तिमाही में **आसियान नेताओं की बैठकों के साथ** किया जाता है।
    - **EAS विदेश मंत्रियों और आर्थिक मंत्रियों (Economic Ministers) की बैठकें** भी प्रतिवर्ष आयोजित की जाती हैं।
- **भारत और पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन:**
    - **भारत** पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन के **संस्थापक सदस्यों में से एक** है।
    - भारत ने **नवंबर 2019 में** बैंकॉक में आयोजित **पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन में भारत की** इंडो-पैसिफिक ओशन इनिशिएटिव (IPOI) **का अनावरण** किया था, जिसका उद्देश्य एक सुरक्षित और स्थिर समुद्री डोमेन या अधिकार क्षेत्र के निर्माण के लिये भागीदार बनाना है।

//

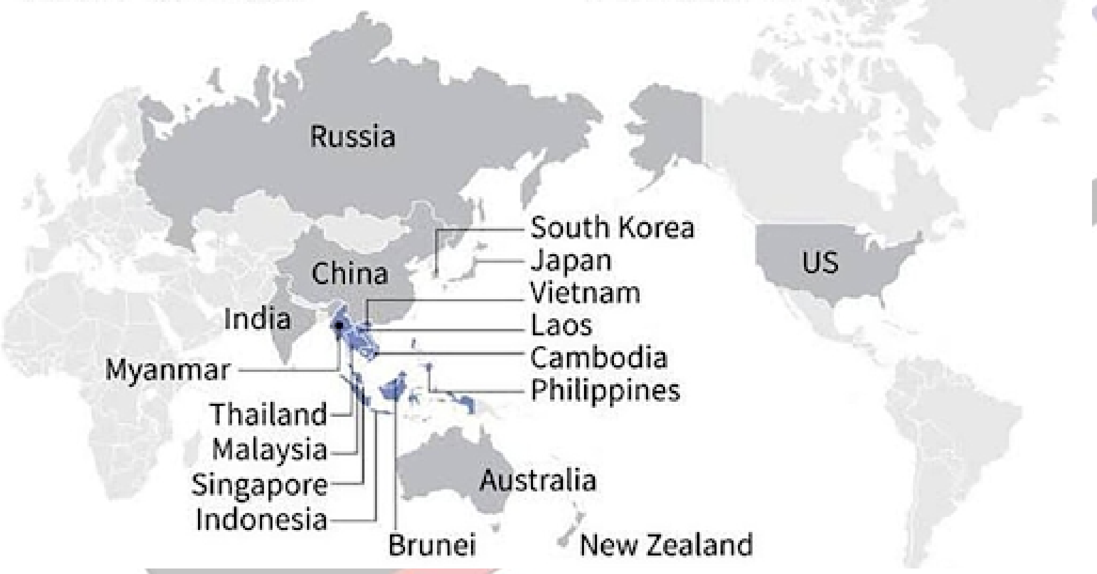

स्रोत: हिंदुस्तान टाइम्स

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/16th-east-asia-summit